रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर

संविधान दिवस के अवसर पर कार्यक्रम

जबलपुर 26 नवम्बर। रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय के विधि विभाग में संविधान दिवस के अवसर पर अंतर सेमेस्टर विभागीय वर्चुअल भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। सर्वप्रथम संविधान की प्रस्तावना का वाचन किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो. कपिल देव मिश्र जी ने विधि विभाग के छात्र छात्राओं को शुभकामनाएं देते हुए प्रोत्साहित किया एवं विधि छात्रों के लिए इस दिन के महत्त्व को समझाया। माननीय कुलपति प्रो. मिश्र ने संविधान की प्रस्तावना को संविधान की आत्मा बताते हुए इसके परिपालन करने के लिए जोर दिया। लोकतांत्रिक पद्धति में विधि के शासन कि परिकल्पना में संविधान के महत्व को छात्र–छात्राओं के बीच में प्रकट किया।

विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. दीपेश मिश्रा जी ने प्रतिभागियों को शुभकामनाएं देते हुए, उनका उत्साहवर्धन किया। इस अवसर विभागाध्यक्ष प्रो. ममता राव जी ने सभी छात्र–छात्राओं को संविधान दिवस की बधाई देते हुए अनुशासन में रहकर समाज और देश को एक अलग पहचान बनाने के लिए संकल्पित होकर कार्य करने के लिए प्रेरित किया। प्रो. दिव्या चंसोरिया ने संविधान की उपयोगिता पर प्रकाश डालते हुए छात्र–छात्राओं को विधि सम्मत कार्य करने के लिए प्रेरित किया।

प्रतियोगिता के पहले चरण में 30 छात्र सम्मिलित हुए जिसमें से 6 छात्रों का चयन फाइनल राउण्ड के लिए किया गया। फाइनल चरण में चयनित छात्र–छात्राओं ने मीडिया ट्रायल एवं अनुच्छेद 19 पर अपने विचार रखे। पीयूष देव को प्रतियोगिता का विजेता घोषित किया गया एवं इशिता प्रसाद को प्रतियोगिता का उपविजेता घोषित किया गया। सभी छात्र–छात्राओं ने विजेता एवं उपविजेता को बधाई दी। इस कार्यक्रम के सफल आयोजन में शुभी पाण्डेय एवं शौर्य चोपड़ा को विशेष भूमिका रही। इस वर्च्यूल कार्यक्रम में डॉ (कैप्टन) सुनील शर्मा, डॉ सुजाता श्रीवास्तव, डॉ

शरद साहू, डॉ नीरज प्रकाश राय, अश्विनी जायसवाल, डॉ नीना प्यासी, डॉ अर्पण शुक्ला, डॉ उमाकांत गजबीर एवं डॉ देविलता रावत भी जुड़े ।

'राष्ट्र की एकता और अखंडता सुनिश्चित करते हुए भारत के संविधान की उद्देशिका का हुआ वाचन'

भारत सरकार युवा कार्य एवं खेल मंत्रालय नई दिल्ली तथा मध्यप्रदेश शासन उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार 26 नवम्बर को राष्ट्रीय संविधान दिवस के अवसर पर दो चरणों में वर्चुअल संवाद एवं भारत के संविधान की उद्देशिका का वाचन कार्यक्रम का आयोजन किया, जिसमें राष्ट्रीय सेवा योजना, रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय जबलपुर के समस्त आठ जिलों के स्वयंसेवक व जिला संगठक तथा कार्यक्रम अधिकारियों ने अपनी अपनी संस्था के स्वयंसेवकों के साथ ऑनलाइन वर्चुअल मीटिंग के माध्यम से आयोजित संवाद कार्यक्रम जिसका शीर्षक ''संविधान की बात छात्रों के साथ'' था मे में सहभागिता करते हुए भारत के संविधान की उद्देशिका का वाचन किया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता मान. प्रोफे. कपिल देव मिश्र, कुलपति, रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय जबलपुर ने की एवं विषय विशेषज्ञ के रूप में प्रोफे विवेक मिश्रा, अधिष्ठाता छात्र कल्याण, रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय तथा संयोजक प्रोफे अशोक कुमार मराठे, कार्यक्रम समन्वयक एनएसएस एवं कार्यक्रम के सह–संयोजक डॉ देवांशु गौतम, कार्यक्रम अधिकारी – ओपन यूनिट रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय जबलपुर तथा जबलपुर विश्वविद्यालय परिक्षेत्र के आठ जिलों के जिला संगठक व कार्यक्रम अधिकारी तथा स्वयं सेवकों की उपस्थिति में कार्यक्रम का प्रथम चरण प्रारंभ हुआ, जिसमें कुलपति प्रोफे कपिल देव मिश्र द्वारा सहभागीयों को उद्बोधन देते हुए भारत संविधान की उद्देशिका का वाचन कराया गया तत्पश्चात कार्यक्रम के विषय विशेषज्ञ प्रोफे विवेक मिश्र ने अपना उद्बोधन देते हुए छात्र– छात्राओं को बताया कि भारतीय संविधान कितना लचीला एवं सटीक है तथा पूरे विश्व में सबसे प्रभावित संविधान के रूप में आज भी प्रसिद्ध है।

इसके पश्चात कार्यक्रम में विषय परिवर्तन करते हुए डॉ आनंद सिंह राणा, जिला संगठक एनएसएस जबलपुर संविधान में विभिन्न प्रकार के अनुच्छेदों आदि के विषय में बताते हुए कहा कि भारतीय संविधान दुनिया का सबसे बड़ा लिखित संविधान होने के स्थिति तथा परिस्थितियों के अनुरूप संशोधित होता रहा है जो कि इसका एक बहुत महत्वपूर्ण पहलू है, और सभी छात्र छात्राओं को इस संविधान को गहराई से जानना चाहिए। कार्यक्रम के संयोजक डॉ अशोक कुमार मराठे ने कार्यक्रम की

रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए संविधान व छात्रों के जीवन में उसके महत्व के विषय में बताया। इसके बाद प्रथम चरण का औपचारिक आभार प्रदर्शन डॉ देवांशु गौतम कार्यक्रम अधिकारी, ओपन यूनिट रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय द्वारा किया गया

'कुलपति ने दिलाई उद्देशिका के पालन की शपथ'

द्वितीय चरण में राष्ट्रीय सेवा योजना रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय मुक्त इकाई के स्वयंसेवक रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय परीक्षेत्र में पहुंचे जहां पर उन्होंने अपने द्वारा बनाए गए पोस्टर, स्लोगन एवं कलाकृतियों को प्रस्तुत किया तथा कुलपति रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय ने उन सभी को भारत का संविधान की उद्देशिका का वाचन कराया और कहा कि हम सभी को भारत के संविधान की उद्देशिका का पालन करते हुए और उनको भी इसके प्रति प्रेरित करना चाहिए ताकि समाज से असमानता, सामाजिकता एवं अपराध की संख्या खत्म हो जाए। कार्यक्रम के दौरान पत्रकारिता विभाग के विभागाध्यक्ष प्रोफे धीरेंद्र पाठक विश्वविद्यालय शिक्षण विभाग एनएसएस इकाई के कार्यक्रम अधिकारी डॉ लोकेश श्रीवास्तव एवं विश्वविद्यालय कर्मचारी संघ के अध्यक्ष वैशाखू एवं अन्य अध्यापकगण व कर्मचारी तथा स्वयंसेवक उपस्थित थे। अंत में कार्यक्रम का संचालन कर रहे डॉक्टर देवांशु गौतम द्वारा राष्ट्रीय संविधान दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में सहयोग करने के लिए सभी अधिकारियों स्वयं सेवकों व सहभागियों का आभार प्रदर्शित किया।

कार्यक्रम के आयोजन को सफल बनाने में कार्यक्रम संयोजक प्रोफे अशोक कुमार मराठे, सह संयोजक डॉ देवांशु गौतम, तथा वरिष्ठ स्वयंसेवकों में प्रशांत कुमार चापेकर, सुबेन्दु मन्ना, अरविंद लोधी, प्रतीक जैन, अमित शिवहरे, सुयस श्रीवास्तव, नितिन पांडे एवं सत्येंद्र पटेल आदि स्वयंसेवकों का महत्वपूर्ण योगदान रहा।